SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

लिटिल अण्डमान के शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत् शिक्षकों के कार्य संतुष्टि पर एक अध्ययन

प्रीति सिंह, अध्यापक शिक्षा संस्थान,
संतोषी कुमारी, एम.एड. प्रशिक्षार्थी, अध्यापक शिक्षा संस्थान,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author's :
प्रीति सिंह,
संतोषी कुमारी, एम.एड. प्रशिक्षार्थी,
अध्यापक शिक्षा संस्थान, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 10/02/2020
Revised on : -----
Accepted on : 17/02/2020
Plagiarism : 08% on 11/02/2020

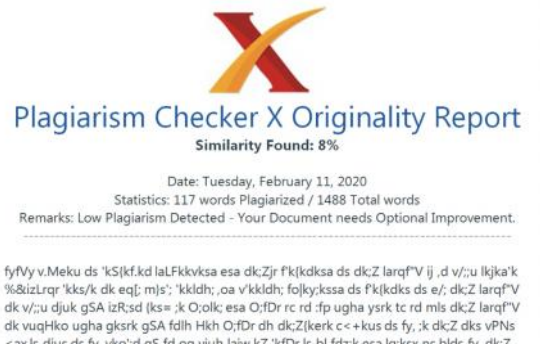
Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 8%

Date: Tuesday, February 11, 2020
Statistics: 117 words Plagiarized / 1488 Total words
Remarks: Low Plagiarism Detected - Your Document needs Optional Improvement.

fyfVy v.Meku ds 'kS{kf.kd laLFkkvksa esa dk;Zjr f'k{kdksa ds dk;Z larqf"V ij ,d v/;;u lkjka'k %&izLrqr 'kks/k dk eq[; mn's'; 'kkldh; ,oa v'kkldh; fo|ky;kssa ds f'k{kdks ds e/; dk;Z larqf"V dk v/;;u djuk gSA izR;sd {ks= ;k O;olk; esa O;fDr rc rd :fp ugha ysrk tc rd mls dk;Z larqf"V dk vuqHko ugha gksrk gSA fdlh Hkh O;fDr dh dk;Z{kerk c<+kus ds fy, ;k dk;Z dks vPNs

सारांश :–

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना है। प्रत्येक क्षेत्र या व्यवसाय में व्यक्ति तब तक रूचि नहीं लेता जब तक उसे कार्य संतुष्टि का अनुभव नहीं होता है। किसी भी व्यक्ति की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए या कार्य को अच्छे ढंग से करने के लिए आवश्यक है कि वह अपनी संपूर्ण शक्ति से इस क्रिया में सहयोग दे इसके लिए कार्य संतुष्टि एक विशेष कारक माना गया है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु लिटिल अण्डमान के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षको का चयन संभाव्य न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। शिक्षको के कार्य संतुष्टि मापन के लिए डा. मीरा दीक्षित द्वारा निर्मित कार्य संतुष्टि मापन स्केल का प्रयोग किया गया है। प्राप्त आंकड़ो के सांख्यिकीय विष्लेशण हेतु मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं टी –परीक्षण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के परिणामस्वरूप निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षको के कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर है।

मुख्य शब्द :–

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, शिक्षक, कार्य संतुष्टि।

प्रस्तावना :–

लिटिल अण्डमान जो ओन्गी भाषा में गऊबोलाम्बे (Goubolambe) कहलाता है, भारत के अण्डमान निकोबार द्वीप समूह के अण्डमान द्वीपसमूह

भाग का सबसे दक्षिणी द्वीप है, यह सभी अण्डमान द्वीपो में चौथा सबसे बड़ा द्वीप है। लिटिल अण्डमान का कुल क्षेत्रफल 734 वर्ग कि.मी. है यहां जनसंख्या लगभग 17,528 हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में लिटिल अण्डमान के शैक्षणिक संस्थाओ में कार्य करने वाले शिक्षकों में अपने कार्य के प्रति कितनी संतुष्टि है को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है वह समाज में जन्म लेता है, शिक्षा प्राप्त करता है तथा जीवनयापन हेतु कोई कार्य करता हैं। यदि उसे अपने कार्य से संतुष्टि मिलती है तो वह कार्य उसकी उपलब्धियॉ बढ़ाने में सहायक होती है कार्य संतुष्टि का सीधा संबंध कार्यकर्ताओ की कुशलता, क्षमता एवं उनकी उत्पादन शक्ति से हैं। कार्य संतुष्टि एक सामान्य अभिवृत्ति है जो कि विशिष्ट कार्य घटकों व्यक्तिगत विशेषताओं एवं कार्य से बाहर समूह संबंधो के इन तीन क्षेत्रो में विशेष अभिवृत्तियाँ का परिणाम है। हम शिक्षा के क्षेत्र में कार्य संतुष्टि की बात करें तो यहाँ पर शिक्षक महत्वपूर्ण हो जाता हैं। शिक्षक, शिक्षा की प्रक्रिया का प्रमुख अंग होता हैं। शिक्षक के बिना शिक्षा की प्रक्रिया सफल रूप से नहीं चल सकती। शिक्षक की क्रिया और व्यवहार का प्रभाव उसके विद्यार्थियों, विद्यालय और समाज पर पड़ता हैं। इस दृष्टि से कहा जाता है कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता हैं। राज तिलक एवं ललिता (2013) ने शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि : एक तुलनात्मक विश्लेशणात्मक शीर्षक पर अध्ययन किया । निष्कर्ष के आधार पर यह ज्ञात हुआ कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। शर्मा (2013) ने शिक्षण व्यवसाय में शिक्षको के कार्य संतुष्टि पर अध्ययन किया एव निष्कर्ष निकाला कि शिक्षण व्यवसाय में शिक्षको की कार्य संतुष्टि का शिक्षण सफलता के साथ सार्थक संबंध है। यादव एवं गुप्ता (2017) ने कामकाजी महिलाओं के वैवाहिक समायोजन पर कार्य संतुष्टि के प्रभाव का अध्ययन किया एवं निष्कर्ष निकाला कि निजी एवं सरकारी क्षेत्र की कामकाजी महिलाओं की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। साथ ही निजी एवं सरकारी क्षेत्र की कामकाजी महिलाओं के वैवाहिक समायोजन में भी सार्थक अन्तर नहीं है।

समस्या कथन :–

'' लिटिल अण्डमान के शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत शिक्षकों के कार्य संतुष्टि पर एक अध्ययन।''

अध्ययन का उद्देश्य :–

1. शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना।

2. शासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत् पुरूष एवं महिला शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना।

3. अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत् पुरूष एवं महिला शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना :–

H_1 शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत् पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

H_2 शासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

H_3 अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

H_4 शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत् पुरूष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

H_5 शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत् महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

शोध प्रविधि :–

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्ष :– प्रस्तुत शोध कार्य में प्रदत्त संकलन हेतु अंडमान निकोबार द्वीप समूह केन्द्रशासित प्रदेश के लिटिल अंडमान (साऊथ अंडमान) में शासकीय विद्यालय के 50 शिक्षक और अशासकीय विद्यालय के 50 शिक्षकों का चयन किया गया।

शोध उपकरण :– शोधकर्ता ने शिक्षकों की कार्य संतुष्टि मापन के लिए डॉ. मीरा दीक्षित द्वारा निर्मित कार्य संतुष्टि मापन स्केल का प्रयोग किया गया हैं।

सांख्यकीय विश्लेषण :– परीक्षण से प्राप्त प्रदत्तों के आधार पर सार्थकता मान ज्ञात करने के लिए सांख्यकीय मान मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पना, परिणाम एवं विवेचना :–

H_1 शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत् पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक – 1

क्रं.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	शासकीय विद्यालय में कार्यरत् शिक्षक	50	204.1	18.65	2.07
2.	अशासकीय विद्यालय में कार्यरत् शिक्षक	50	210.5	28.65	

df - 98, *0.05 सार्थक स्तर पर स्वीकृत पाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर है। फलतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_2 शासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत् पुरूष एवं महिला शिक्षको की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक – 2

क्रं.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	शासकीय विद्यालय में कार्यरत् पुरूष शिक्षक	25	170.04	15.65	2.56
2.	शासकीय विद्यालय में कार्यरत् महिला शिक्षक	25	180.56	12.92	

df - 48, *0.05 सार्थक स्तर पर स्वीकृत पाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि शासकीय विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों एवं महिला शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर है। फलतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_3 अशासकीय शैक्षिणक संस्थाओं में कार्यरत् पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक – 3

क्रं.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	अशासकीय विद्यालय में कार्यरत् पुरूष शिक्षक	25	198.56	24.59	2.27
2.	अशासकीय विद्यालय में कार्यरत् महिला शिक्षक	25	180.48	31.20	

df - 48, *0.05 सार्थक स्तर पर स्वीकृत पाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों एवं महिला शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर है। फलतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_4 शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत् पुरूष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक – 4

क्रं.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	शासकीय विद्यालय में कार्यरत् पुरूष शिक्षक	25	170.04	15.65	4.9
2.	अशासकीय विद्यालय में कार्यरत् पुरूष शिक्षक	25	198.56	24.59	

df - 48, *0.05 सार्थक स्तर पर स्वीकृत पाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत् पुरूष शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर है। फलतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_5 शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओ में कार्यरत् महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक – 5

क्रं	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	शासकीय विद्यालय में कार्यरत् महिला शिक्षक	25	180.56	12.92	0.011
2.	अशासकीय विद्यालय में कार्यरत् महिला शिक्षक	25	180.48	31.20	

df - 48, *0.05 सार्थक स्तर पर स्वीकृत नहीं पाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत् महिला शिक्षको के मध्य कार्य संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। फलतः यह परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

निष्कर्ष :–

उपरोक्त सांख्यकीय विश्लेषण से स्पष्ट है, कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत् शिक्षको के मध्य कार्यसंतुष्टि में सार्थक अन्तर है। वही शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत् महिला शिक्षको के मध्य कार्यसंतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है। इससे यह ज्ञात होता है कि विद्यालय प्रकार के अतिरिक्त अन्य कारक भी कार्यसंतुष्टि को प्रभावित करते है।

सुझाव :–

1. शासकीय शैक्षणिक संस्थान मे कार्य करने वाले शिक्षको के वेतनमान में पाये जाने वाली असमानता को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

2. अशासकीय शैक्षणिक संस्थान में कार्य करने वाले शिक्षको को उनकी योग्यतानुसार उचित वेतनमान प्रदान किया जाना चाहिए।

3. शैक्षणिक संस्थान में कार्य करने वाले शिक्षको को अध्यापन कार्य के अतिरिक्त अन्य कार्य नही दिया जाना चाहिए।

4. शैक्षणिक संस्थाओं में कार्य करने वाले शिक्षको को भी उनकी योग्यता और उनके अनुभव के आधान पर पदोन्नति देनी चाहिए।

5. शिक्षकों को अपनी योग्यताओं का प्रदर्शन करने का उचित अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।

6. शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख द्वारा शिक्षको की अध्यापन संबंधी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।

संदर्भ सूची :–

1. Raj,Tilak and Lalita.(2013).Job satisfaction among teachers of private and government school :A comparative analysis.International Journal of Social Science & Interdisplinary Research,2(9),151-158.
2. Shama,Rashmi.(2013).Teacher's job satisfaction in teaching profession. International Journal of Education and Psychological Research,2:100-104.
3. Yadav, Rajkumar and Gupta,Goldi.(2017).A study of effect of job satisfaction on marital adjustment of working women.International Journal of Multidisplinary Education and Research, 2:21-24.
4. अरोड़ा, रीता एवं मारवाहा, सुदेश. (2008). शिक्षण एवं अधिगम के मनोसामाजिक आधार. शिक्षा प्रशासन, जयपुर।
5. बघेला, एच. एस. (2007). अधिगम एवं शिक्षण मनोसामाजिक आधार. राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
6. मंगल, एस. के. (2007). एसेन्शियल ऑफ एजुकेशन साइकोलॉजी. प्रिंटिंग हॉल ऑफ इंडिया प्र. लि., नई दिल्ली।
7. शर्मा, आर.ए. (2003). शिक्षा अनुसंधान. सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।

****